Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

चर्चा में क्यों?

- भारत ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव सह-प्रायोजित किया। यह दिन उत्तरायण की शुरुआत और आंतरिक शांति का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सुधारना है

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

प्रमुख बिंदु:

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया, जिसमें 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित करने की मंजूरी दी गई।
- भारतीय मिशन के अनुसार, 21 दिसंबर विंटर सोलस्टाइस के रूप में चिह्नित है, जो भारतीय परंपरा में उत्तरायण का आरंभ माना जाता है और यह आंतरिक चिंतन और ध्यान का शुभ समय है।

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

प्रमुख बिंदु:

- यह दिन 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के छह महीने बाद पड़ता है, जो समर सोलस्टाइस है।
- ध्यान को प्राचीन प्रथाओं में निहित एक प्रभावी साधन के रूप में बताया गया है, जो आधुनिक समय में आंतरिक परिवर्तन और शांति लाने में मदद करता है।

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

प्रमुख बिंदु:

- यह मानसिक, भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण सहित संपूर्ण मानव कल्याण को लक्षित करता है।
- ध्यान आधुनिक युग की समस्याओं, जैसे अत्यधिक चिंता और तनाव से निपटने में मदद करता है, और मन व शरीर के साथ-साथ मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य लाता है।

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

प्रमुख बिंदु:

- प्रस्ताव Lichtenstein द्वारा पेश किया गया और इसे बांग्लादेश, बुल्गारिया, डोमिनिकन गणराज्य, आइसलैंड, लक्जमबर्ग, मॉरीशस, मोनाको, मंगोलिया, मोरक्को, पुर्तगाल और स्लोवेनिया सहित अन्य देशों का समर्थन मिला।

समर सोलस्टाइस और विंटर सोलस्टाइस

समर सोलस्टाइस

- हर साल लगभग 21 जून को होता है।
- यह वह दिन होता है जब सूर्य कर्क रेखा (Tropic of Cancer) के सीधे ऊपर होता है।
- यह साल का सबसे लंबा दिन और सबसे छोटी रात होती है।

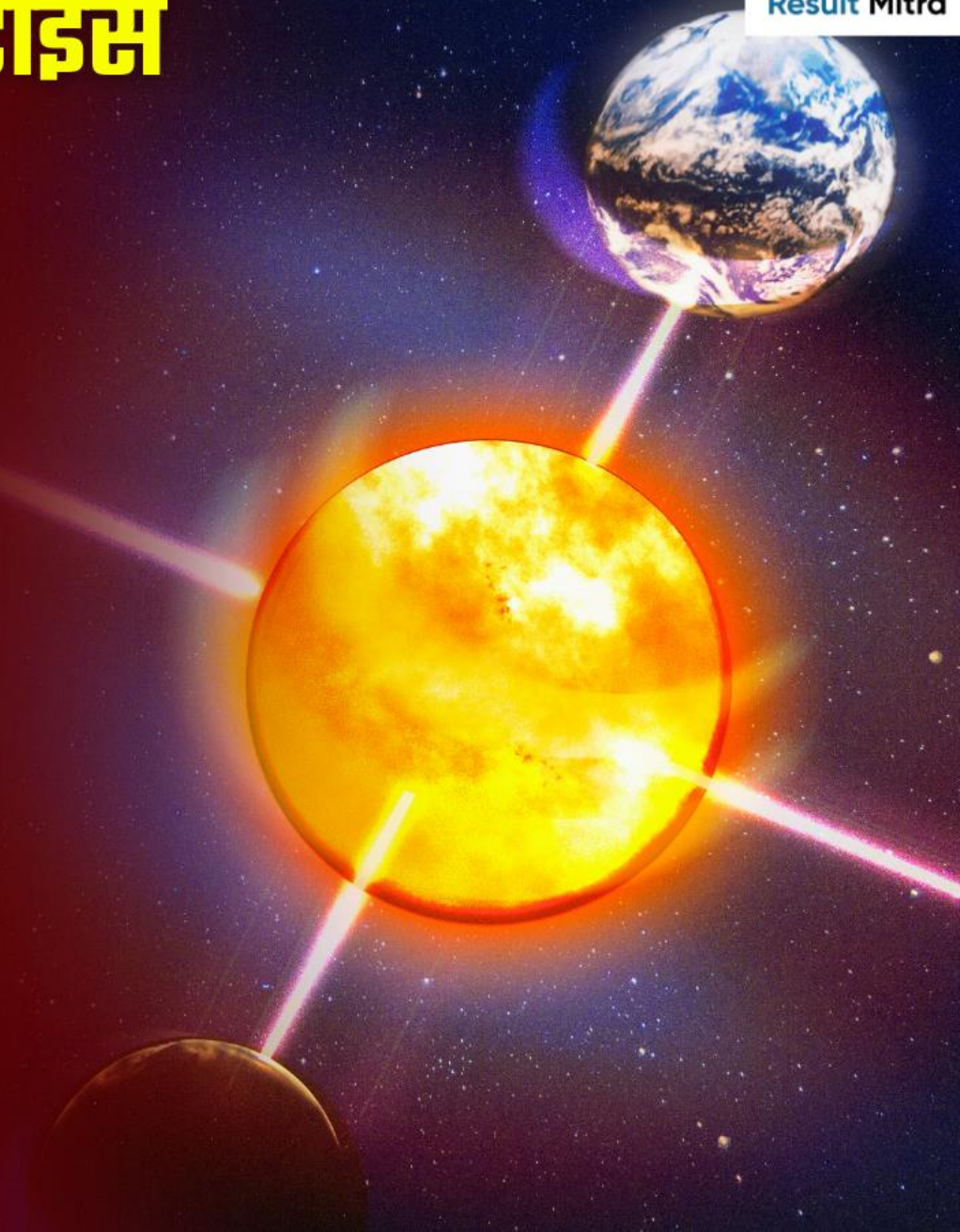

Result Mitra

समर सोलस्टाइस और विंटर सोलस्टाइस

समर सोलस्टाइस

- इस दिन पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर सबसे अधिक झुका होता है।
- इसे कई संस्कृतियों में उत्सव और कृषि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

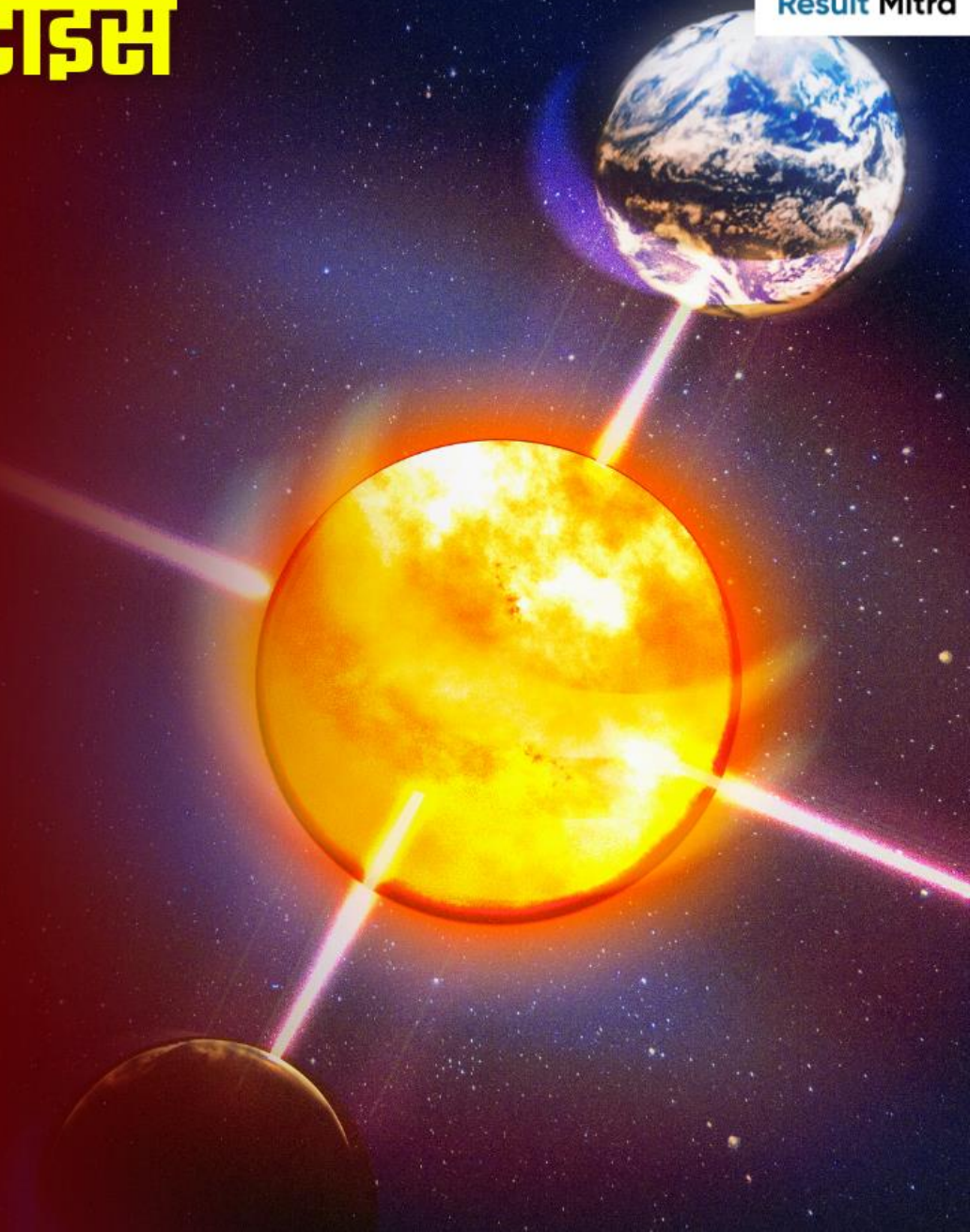

Result Mitra

समर सोलस्टाइस और विंटर सोलस्टाइस

विंटर सोलस्टाइस

- हर साल लगभग 21 दिसंबर को होता है।
- यह वह दिन होता है जब सूर्य मकर रेखा (Tropic of Capricorn) के सीधे ऊपर होता है।
- यह साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात होती है।

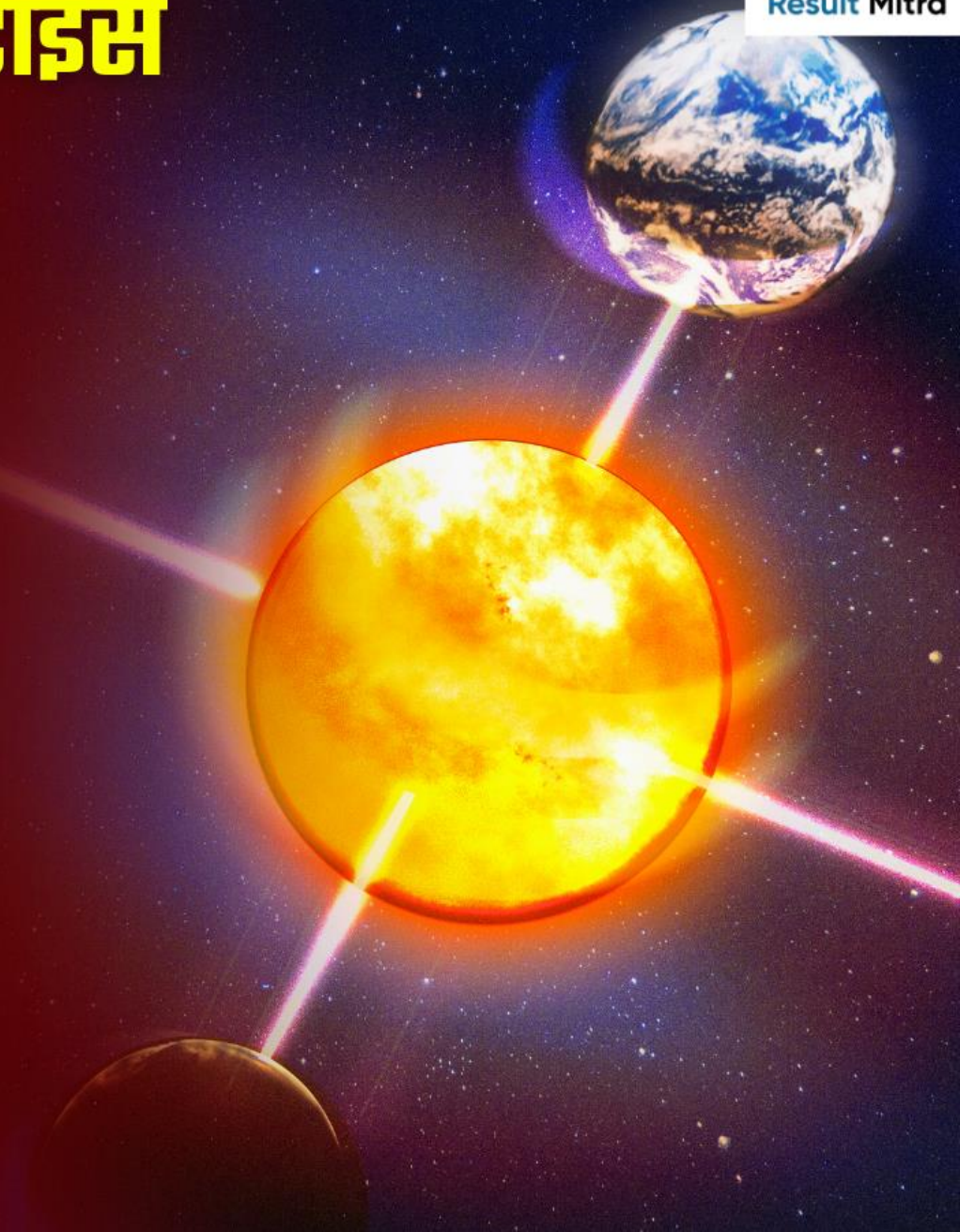

Result Mitra

समर सोलस्टाइस और विंटर सोलस्टाइस

विंटर सोलस्टाइस

- इस दिन पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य से सबसे दूर झुका होता है।
- इसे कई परंपराओं में शीत ऋतु की शुरुआत के रूप में देखा जाता है और उत्सव मनाया जाता है।

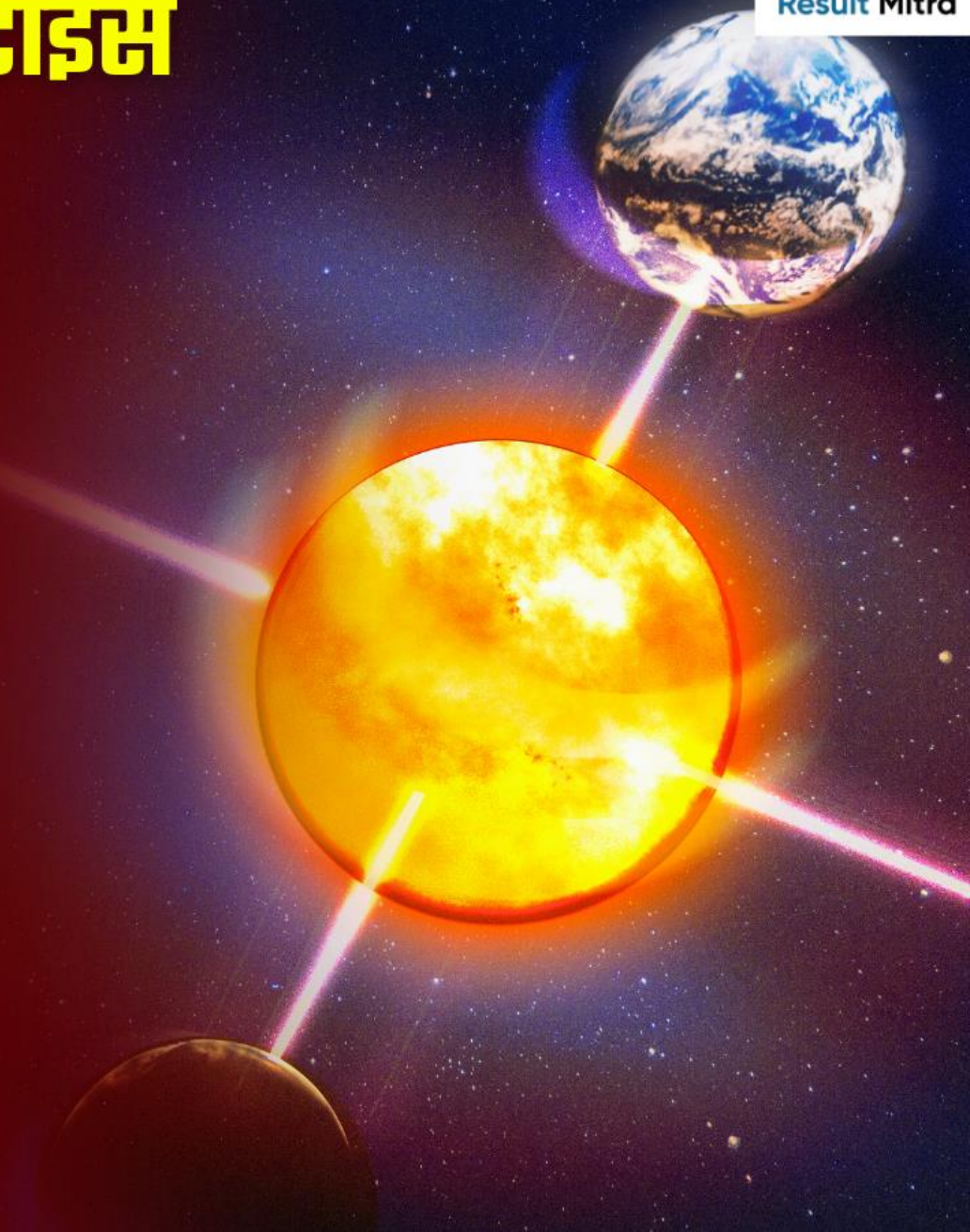

Result Mitra

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

मुख्य अंतर

पैरामीटर	समर सोलस्टाइस	विंटर सोलस्टाइस
तिथि	21 जून	21 दिसंबर
दिन की लंबाई	सबसे लंबा दिन	सबसे लंबी रात
सूर्य की स्थिति	कर्क रेखा के ऊपर	मकर रेखा के ऊपर
गोलार्ध का झुकाव	उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर	उत्तरी गोलार्ध सूर्य से दूर

Result Mitra

यूएनजीए ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया

मुख्य अंतर

- ये घटनाएं न केवल वैज्ञानिक महत्व रखती हैं, बल्कि प्राचीन समय से ही विभिन्न संस्कृतियों में इनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के बारे में

- महासभा, संयुक्त राष्ट्र का मुख्य विचार-विमर्श, नीतिनिर्माण और प्रतिनिधि निकाय है।
- सभी 193 सदस्य देश महासभा में शामिल होते हैं, जो इसे सार्वभौमिक प्रतिनिधित्व वाला एकमात्र निकाय बनाता है।
- प्रत्येक वर्ष सितंबर में महासभा सत्र और आम बहस के लिए न्यूयॉर्क में सभी सदस्य देश एकत्रित होते हैं, जिसमें कई राष्ट्राध्यक्ष शामिल होते हैं।

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र महासभा के बारे में

- शांति, सुरक्षा, नए सदस्यों के प्रवेश और बजट से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है; अन्य प्रश्नों पर साधारण बहुमत से निर्णय होता है।
- महासभा के अध्यक्ष का चुनाव प्रत्येक वर्ष एक वर्ष की अवधि के लिए किया जाता है।
- हाल ही में मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद 2021-22 के 76वें महासभा सत्र के अध्यक्ष चुने गए।

Result Mitra

महासभा के लिए छह मुख्य समितियां मसौदा प्रस्ताव तैयार करती हैं

1. प्रथम समिति

निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा

2. द्वितीय समिति

आर्थिक और वित्तीय

3. तृतीय समिति

सामाजिक, मानवीय और सांस्कृतिक

4. चतुर्थ समिति

विशेष राजनीतिक और उपनिवेशवाद

5. पंचम समिति

प्रशासनिक और बजट

6. षष्ठ समिति

कानूनी

प्रत्येक सदस्य राज्य मुख्य समितियों और अन्य समितियों में प्रतिनिधि नियुक्त कर सकता है और सलाहकार या विशेषज्ञ भी नामित कर सकता है।

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र महासभा के बारे में

अन्य समितियां:

- **जनरल कमेटी:** सत्रों के दौरान महासभा और उसकी समितियों की प्रगति की समीक्षा करती है और सुझाव देती है।
- **क्रेडेंशियल्स कमेटी:** सदस्य देशों के प्रतिनिधियों की मान्यताओं की जांच कर रिपोर्ट तैयार करती है।

Result Mitra

Result Mitra

भारत ने सामाजिक सुरक्षा पहल के लिए वैश्विक पुरस्कार जीता

Result Mitra

भारत ने सामाजिक सुरक्षा पहल के लिए वैश्विक पुरस्कार जीता

चर्चा में क्यों?

- भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय मंच में सामाजिक सुरक्षा में उत्कृष्ट प्रथाओं के लिए सम्मानित किया गया। EPFO ने 5 प्रमाणपत्र प्राप्त किए, जिनमें संचार चैनल, ई-प्रोसीडिंग्स, निधि आपके निकट, मल्टीलिंगुअल कॉल सेंटर, और प्रयास पहल शामिल हैं

Result Mitra

भारत ने सामाजिक सुरक्षा पहल के लिए वैश्विक पुरस्कार जीता

प्रमुख बिंदु:

- भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय फोरम में कार्यबल को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।
- 'एशिया और प्रशांत के लिए गुड प्रैक्टिस अवार्ड 2024' को इंटरनेशनल सोशल सिक्योरिटी एसोसिएशन (ISSA) के अध्यक्ष मोहम्मद अजमान ने सऊदी अरब के रियाद में आयोजित फोरम में प्रदान किया।

Result Mitra

भारत ने सामाजिक सुरक्षा पहल के लिए वैश्विक पुरस्कार जीता

प्रमुख बिंदु:

- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने सेवा प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट पहल के लिए पाँच Certificate of Merit प्राप्त किए।
- इन प्रमाणपत्रों और पुरस्कारों ने EPFO द्वारा आर्थिक और सामाजिक बदलाव के अनुरूप सुधार और अच्छे अभ्यास अपनाने के प्रयासों को मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)

- अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA) की स्थापना 1927 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के तत्वावधान में की गई।

मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड।

- यह सामाजिक सुरक्षा संगठनों, सरकारों और सामाजिक सुरक्षा विभागों के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)

- इसका उद्देश्य पेशेवर दिशानिर्देशों, विशेषज्ञ ज्ञान, सेवाओं और समर्थन के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है ताकि सदस्य गतिशील सामाजिक सुरक्षा प्रणाली विकसित कर सकें।

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)

शासन प्रणाली

- महासभा (General Assembly): यह संघ की सर्वोच्च संवैधानिक निकाय है, जिसमें सभी सदस्य सीधे प्रतिनिधित्व करते हैं। यह हर तीन साल में एक बार मिलती है।
- परिषद (Council): यह संघ का चुनावी निकाय है, जिसमें उन सभी देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं, जहां ISSA के कम से कम एक सदस्य हैं। प्रत्येक देश का एक प्रतिनिधि होता है।

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)

शासन प्रणाली

- ब्यूरो (Bureau): यह संघ का प्रशासनिक प्राधिकरण है, जिसमें अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, महासचिव और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि सदस्य शामिल होते हैं।

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ (ISSA)

शासन प्रणाली

- नियंत्रण आयोग (Control Commission): यह संघ के वित्तीय रिकॉर्ड, वार्षिक रिपोर्ट और कोषाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत विवरणों की जांच करता है, और यह सुनिश्चित करता है कि सभी वित्तीय लेनदेन वित्तीय नियमों के अनुरूप हों।
- भारत ISSA का सदस्य देश है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)

- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) एक वैधानिक निकाय है, जिसे 1952 के कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम के तहत स्थापित किया गया।
- इस अधिनियम और इसके तहत बनाए गए योजनाओं का प्रबंधन केंद्रीय न्यासी बोर्ड (Central Board of Trustees) द्वारा किया जाता है, जिसमें सरकार (केंद्रीय और राज्य), नियोक्ताओं और कर्मचारियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)

- बोर्ड संगठित क्षेत्र के कार्यबल के लिए भविष्य निधि, पेंशन योजना और बीमा योजना का संचालन करता है।
- यह ग्राहकों की संख्या और वित्तीय लेनदेन के मामले में दुनिया के सबसे बड़े संगठनों में से एक है।
- EPFO का संचालन देशभर में 122 स्थानों से होता है और यह श्रम और रोजगार मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)

EPFO द्वारा संचालित तीन प्रमुख योजनाएं

1. कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 (EPF)
2. कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (EPS)
3. कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना, 1976 (EDLI)

Result Mitra

Result Mitra

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

Result Mitra

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- 2024 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार चिली की पूर्व राष्ट्रपति और मानवाधिकार कार्यकर्ता मिशेल बाचेलेट को उनके शांति, समानता और मानवाधिकारों के प्रति योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा।

Result Mitra

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

प्रमुख बिंदुः

- उनका साहस और शांति के लिए संघर्ष लाखों लोगों को प्रेरित करता है।
- यह पुरस्कार उनकी भारत-चिली संबंधों को मजबूत करने की भूमिका को भी मान्यता देता है।

इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार

Result Mitra

- इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार की स्थापना 1986 में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में की गई।
- यह पुरस्कार हर साल शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है।
- इसमें 25 लाख रुपये की नकद राशि और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है।

इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार

Result Mitra

पुरस्कार की विशेषताएं

- यह तीन श्रेणियों (शांति, निरस्त्रीकरण और विकास) में दिया जाता है।
- यह उन व्यक्तियों या संगठनों को सम्मानित करता है जिनका कार्य वैश्विक चुनौतियों को हल करने और मानव कल्याण में सुधार के लिए सकारात्मक प्रभाव डालता है।
- वैज्ञानिक खोजों को मानवता के लाभ के लिए उपयोग करने और एक नया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था बनाने के प्रयासों को भी मान्यता दी जाती है।

इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार

Result Mitra

पिछले विजेता

- मिखाइल गोर्बाचेव (1987)
- यूनिसेफ (1989)
- जिमी कार्टर (1997)
- संयुक्त राष्ट्र और कोफी अन्नान (2003)
- एंजेला मर्केल (2013)
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) (2014)
- मनमोहन सिंह (2017)
- सर डेविड एटनबरो (2019)
- प्रथम एनजीओ (2021)।

UN Women

- UN Women संयुक्त राष्ट्र (UN) की इकाई है, जो महिलाओं की समानता और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।
- इसे जुलाई 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित किया गया।
- इसका गठन UN सुधार एजेंडा के तहत किया गया, ताकि संसाधनों और जनादेश को एकीकृत करके महिलाओं और लड़कियों की जरूरतों को तेजी से पूरा किया जा सके।

UN Women

- यह महिलाओं और लड़कियों के लिए वैश्विक स्तर पर एक चैंपियन के रूप में कार्य करता है और उनके अधिकारों और भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है।

Result Mitra

UN Women

मुख्य भूमिकाएं

1. आंतर-सरकारी निकायों का समर्थन:

- महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (CSW) जैसे निकायों को नीतियों, वैश्विक मानकों और मानदंडों के निर्माण में सहयोग देना।

Result Mitra

UN Women

मुख्य भूमिकाएं

2. सदस्य देशों की सहायता:

- मानकों को लागू करने में मदद, तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करना, और सिविल सोसायटी के साथ प्रभावी साझेदारी बनाना।

UN Women

मुख्य भूमिकाएं

3. लैंगिक समानता में UN प्रणाली का नेतृत्व और समन्वय:

- प्रगति की नियमित निगरानी के माध्यम से जवाबदेही को बढ़ावा देना।

UN Women

कार्य और प्रयास

- महिलाओं और लड़कियों के लिए सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को वास्तविकता बनाने पर कार्य करता है।
- जिन देशों को सहायता की आवश्यकता होती है, वहां सरकार और गैर-सरकारी भागीदारों के साथ मिलकर नीतियां, कानून, सेवाएं और संसाधन उपलब्ध कराता है।

Result Mitra

UN Women

अनुदान देने वाले फंड

- Fund for Gender Equality और UN Trust Fund to End Violence Against Women के माध्यम से उच्च प्रभावशाली कार्यक्रमों के लिए अनुदान प्रदान करता है।

महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग(CSW)

- यह ECOSOC का एक कार्यात्मक आयोग है, जो पूरी तरह से लैंगिक समानता और महिलाओं की प्रगति के लिए समर्पित है।
- CSW के अलावा, UN Women महिलाओं के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर नियमित रूप से महासभा, ECOSOC और सुरक्षा परिषद को जानकारी प्रदान करता है।
- यह महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर UN महासचिव का डेटाबेस बनाए रखता है, जो UN सदस्य देशों और संगठनों द्वारा उठाए गए कदमों को ट्रैक करता है।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

चर्चा में क्यों?

- भारत को पहली बार संयुक्त राष्ट्र के नारकोटिक ड्रग्स कमीशन (CND) की 68वीं सत्र की अध्यक्षता के लिए चुना गया है। यह वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

प्रमुख बिंदु:

- भारत को CND के 68वें सत्र की अध्यक्षता करने के लिए चुना गया।
- भारतीय राजदूत शंभु एस कुमारन ने वियना में इस महत्वपूर्ण पद को संभाला।
- CND संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख नीति-निर्माण निकाय है, जो ड्रग नीति, वैश्विक ड्रग प्रवृत्तियों की निगरानी, और अंतर्राष्ट्रीय ड्रग समझौतों के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करता है।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

प्रमुख बिंदु:

- यह ECOSOC का कार्यात्मक आयोग और UNODC का एक शासी निकाय है, जिसका मुख्यालय वियना में स्थित है।
- भारत का उद्देश्य विकासशील देशों के हितों को शामिल करते हुए, ड्रग नीति पर संवाद और समझ बढ़ाना है।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

प्रमुख बिंदु:

- अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, और चिकित्सा व वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए दवाओं की उपलब्धता जैसे मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मजबूत किया जाएगा।
- भारत संतुलित और समावेशी रणनीतियों को बढ़ावा देने के लिए CND के अन्य सदस्य देशों के साथ साझेदारी करेगा।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

यूएनओडीसी के बारे में:

- यह वैश्विक स्तर पर अवैध नशीले पदार्थों और अंतर्राष्ट्रीय अपराध के खिलाफ लड़ाई में प्रमुख है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित आतंकवाद पर कार्यक्रम को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 1997 में संयुक्त राष्ट्र नशीली दवाओं नियंत्रण कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय अपराध रोकथाम केंद्र के विलय के माध्यम से हुई थी।

UNODC

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

यूएनओडीसी के बारे में:

कार्य:

- नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में वैश्विक स्तर पर लोगों को जागरूक करना।
- अवैध नशीली दवाओं के उत्पादन, तस्करी और दवा संबंधित अपराधों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय कार्यों को मजबूत करना।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

यूएनओडीसी के बारे में:

कार्य:

- अपराध रोकथाम में सुधार करना और आपराधिक न्याय सुधार में सहायता प्रदान करना, ताकि कानून के शासन को मजबूत किया जा सके, और ट्रांसनेशनल संगठित अपराध और भ्रष्टाचार के बढ़ते खतरों से निपटा जा सके।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

यूएनओडीसी के बारे में:

कार्य:

- 2002 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आतंकवाद रोकथाम शाखा के लिए विस्तारित कार्यक्रम को मंजूरी दी, जो आतंकवाद के खिलाफ कानूनी उपायों को लागू करने में देशों की सहायता करता है।

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

यूएनओडीसी के बारे में:

- फंडिंग: यह मुख्य रूप से सरकारों से स्वैच्छिक योगदान पर निर्भर करता है।
- मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया

Result Mitra

भारत नारकोटिक ड्रग्स पर संयुक्त राष्ट्र आयोग के 68वें सत्र की अध्यक्षता करेगा

यूएनओडीसी के बारे में:

- फंडिंग: यह मुख्य रूप से सरकारों से स्वैच्छिक योगदान पर निर्भर करता है।
- मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया

विश्व ड्रग दिवस

- 26 जून को हर साल अंतर्राष्ट्रीय नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ दिवस (विश्व ड्रग दिवस) मनाया जाता है।
- यह दिवस संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1987 में स्थापित किया गया था, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- 2024 का थीम था "साक्ष्य स्पष्ट है: रोकथाम में निवेश करें"।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

चर्चा में क्यों?

- 4वीं मेकोंग गंगा धम्मायात्रा, भारत-थाईलैंड सहयोग से आयोजित, बौद्ध सभ्यताओं के ऐतिहासिक संबंधों को सुदृढ़ कर शांति, पर्यावरण जागरूकता, और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देती है। यह यात्रा धम्मा सिद्धांतों पर आधारित वैश्विक शांति का प्रतीक है।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

प्रमुख बिंदु:

- 20 से अधिक बौद्ध विद्वानों, पूर्व सरकारी अधिकारियों और प्रमुख नागरिकों का एक दल 4वीं मेकोंग गंगा धम्मायात्रा के लिए दिल्ली पहुंचा।
- इस यात्रा का नेतृत्व डॉ. सुपाचाई विराफुचोंग, सचिव-जनरल, बोधगया इंस्टीट्यूट 980 कर रहे हैं।
- यह यात्रा मेकोंग और गंगा सभ्यताओं के बीच ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करती है।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

प्रमुख बिंदु:

- यह एक भारत और थाईलैंड का सहयोगात्मक प्रयास है, जो धम्म के संदेश को फैलाने के लिए वैश्विक शांति को बढ़ावा देती है।
- यात्रा का उद्देश्य विरोध टालने और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना है, और धर्म के शताब्दी की घोषणा करना है।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

प्रमुख बिंदु:

- इस वर्ष की यात्रा का विषय है 'मेकोंग नदी बेसिन से महान गंगा तक', जो साउथ-ईस्ट एशिया और भारत के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को उजागर करता है।
- यात्रा 2 दिसंबर से 10 दिसंबर तक चल रही है और इसमें पटना, बोधगया, नई दिल्ली और गुजरात जैसे प्रमुख बौद्ध स्थल शामिल हैं।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

प्रमुख बिंदु:

- इस यात्रा का उद्देश्य शांति, पर्यावरण जागरूकता और विरोध टालने को बढ़ावा देना है।
- यह यात्रा थाईलैंड के दिवंगत राजा भुमिबोल अदुल्यदेज की 97वीं जयंती और 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत 'एशियन सेंचुरी विद धम्मा प्रिंसिपल्स' के दृष्टिकोण को सम्मानित करती है।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

प्रमुख बिंदु:

- यह पहल धम्म के साझा मूल्यों के माध्यम से देशों को एकजुट करने का प्रयास है, जो भौगोलिक, धार्मिक और सांस्कृतिक भेदों को पार करती है।

Result Mitra

चौथी मेकांग गंगा धम्मयात्रा

प्रमुख बिंदु:

- यह पहल कई भारतीय और थाई संगठनों के बीच सहयोग का परिणाम है, जिसमें विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (VIF), इंटरनेशनल सेंटर फॉर कल्चरल स्टडीज (ICCS) और रॉयल थाई एंबेसी शामिल हैं।
- भारत और थाईलैंड के द्विपक्षीय संबंधों की जड़ें ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संपर्कों में हैं, और बौद्ध धर्म एक महत्वपूर्ण साझा कड़ी है।

मेकोंग नदी के बारे में

लंबाई:

- यह दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे लंबी नदी है, एशिया में 7वीं और दुनिया में 12वीं सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई लगभग 4,350 किलोमीटर (2,700 मील) है।

Result Mitra

मेकोंग नदी के बारे में

नदी का मार्ग

- उद्गम: यह नदी चीन के किंगहाई प्रांत के दक्षिण-पूर्वी हिस्से से उत्पन्न होती है।
- यह तिब्बत पठार में सान्जियानयुआंग से शुरू होती है, और इसे यांग्त्ज़ी, पीला और मेकोंग नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रकृति आरक्षित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है।

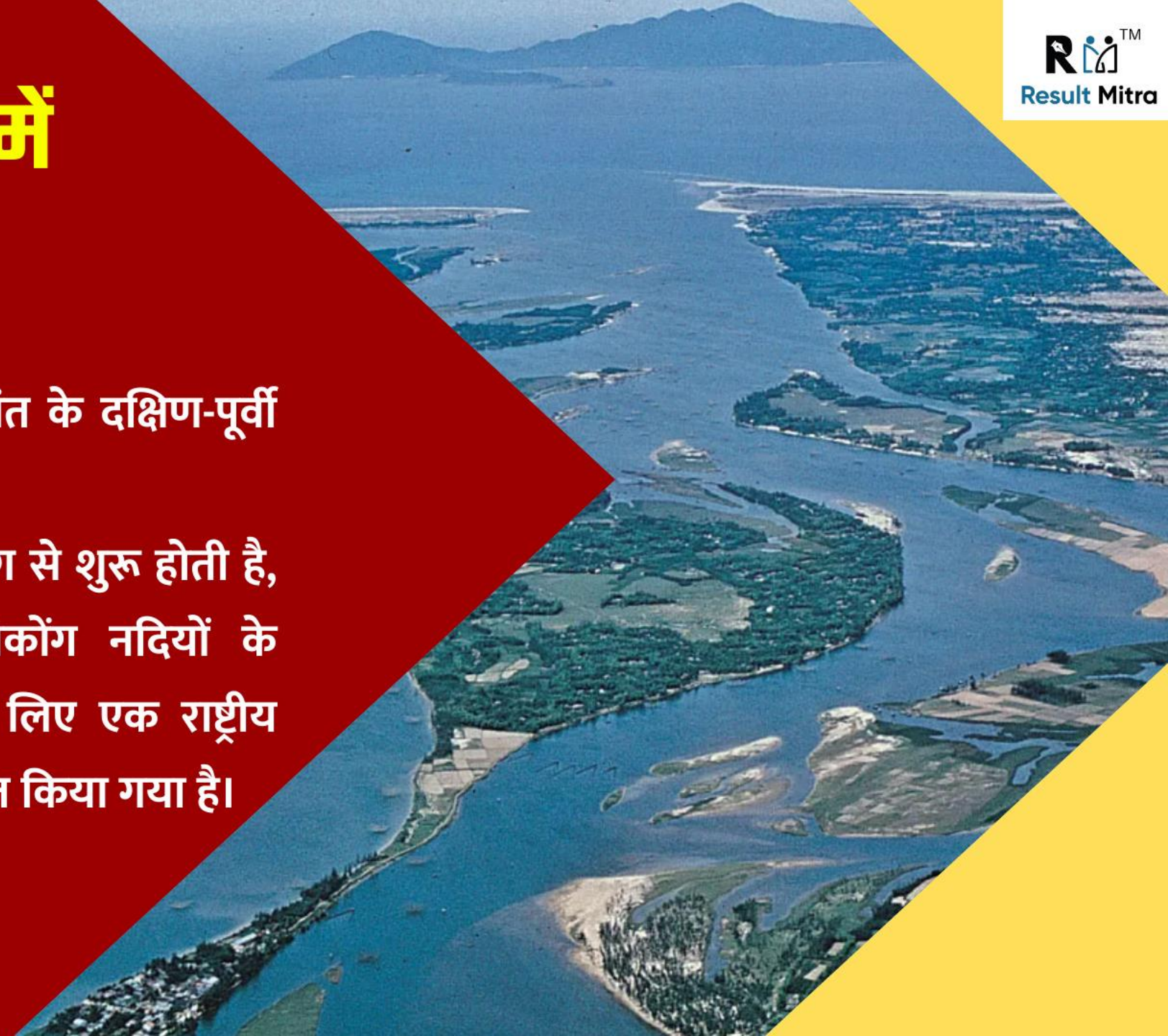

Result Mitra

मेकोंग नदी के बारे में

नदी का मार्ग

- प्रवाह क्षेत्र: यह नदी लगभग 795,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को जल प्रवाहित करती है और छह एशियाई देशों से बहती है: चीन, वियतनाम, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, और कंबोडिया, जहाँ इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है।

Result Mitra

मेकोंग नदी के बारे में

महत्वपूर्ण स्थल

- लाओस की राजधानी वियंतियान (विआंगचैन) और कंबोडिया की राजधानी फनॉम पेन्ह नदी के किनारे स्थित हैं।
- यह नदी वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी के दक्षिण में दक्षिणी चीन सागर में गिरती है।

Result Mitra

मेकोंग नदी के बारे में

सहायक नदियाँ

- बाएं किनारे की सहायक नदियाँ: इनमें नाम ऊ(Nam Ou), था(tha), और नाम खान(Nam Khan) शामिल हैं, जो उच्च वर्षा क्षेत्रों से जल प्रवाहित करती हैं।
- दाएं किनारे की सहायक नदियाँ: इनमें रुआक, कोक, टोनले सैप, और मुन शामिल हैं, जो निचले राहत क्षेत्रों से जल प्रवाहित करती हैं।

Result Mitra

मेकोंग नदी के बारे में

जैव विविधता

- इसकी जैव विविधता अमेज़न नदी बेसिन के बाद दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है।
- इसमें लगभग 20,000 पौधों की प्रजातियाँ, 1,200 पक्षी, 430 स्तनधारी, 800 उभयचर और सरीसृप, और 850 मछली की प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Result Mitra

मेकोंग नदी के बारे में

मेकोंग डेल्टा

- वियतनाम के दक्षिण में यह नदी एक विशाल डेल्टा (त्रिकोणीय भूमि का टुकड़ा) बनाती है।
- डेल्टा की मिट्टी समृद्ध है और यह दुनिया के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों में से एक है।

Result Mitra

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

चर्चा में क्यों?

- महापरिनिर्वाण दिवस डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है, जो भारत के संविधान निर्माता थे। उनका योगदान सामाजिक न्याय, समानता, और बौद्ध धर्म में गहरा था।

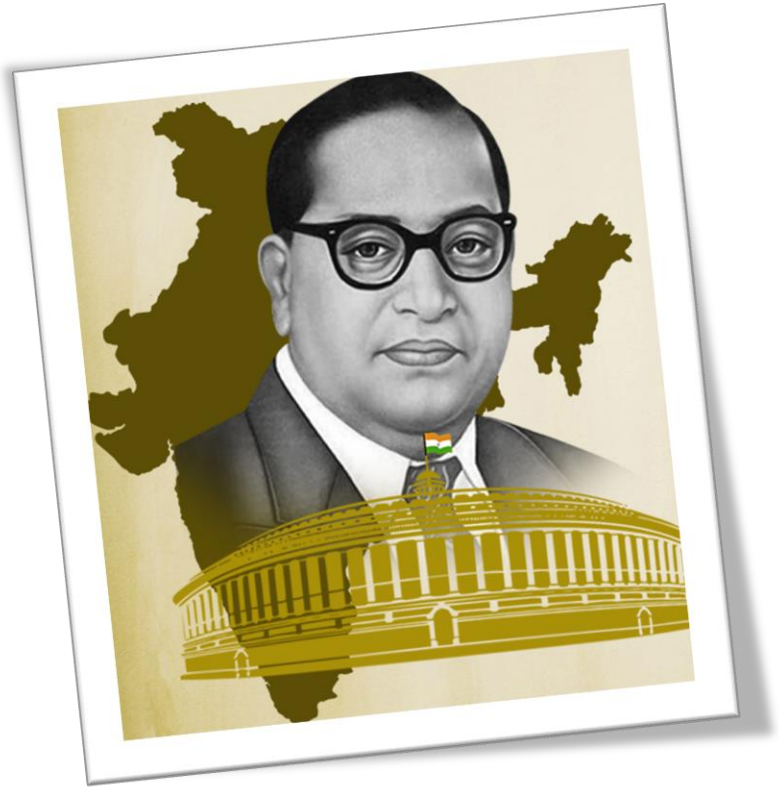

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

प्रमुख बिंदु:

- महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के रूप में मनाया जाता है, जो भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता थे।
- 2024 में महापरिनिर्वाण दिवस डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन द्वारा संसद भवन में मनाया जाएगा।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

प्रमुख बिंदु:

- यह दिन बौद्ध साहित्य में भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण की याद में होता है, जो जीवन के संघर्ष से मुक्ति का प्रतीक है।
- डॉ. अंबेडकर ने भारतीय समाज में समानता और न्याय के लिए जीवनभर संघर्ष किया, और बौद्ध धर्म अपनाया।
- उन्होंने आरक्षण, शैक्षिक सुधार, और सामाजिक असमानताओं के खिलाफ आंदोलन चलाए।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

प्रमुख बिंदु:

- वे भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता थे, जिसमें न्याय, समानता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया गया।
- भारत रत्न से सम्मानित अंबेडकर का योगदान आर्थिक नीति, संविधान निर्माण, और सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण था।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

- पूरा नाम: डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर
- जन्म: 14 अप्रैल 1891, महू, मध्य प्रदेश (तत्कालीन मध्य प्रांत), हिंदू महार परिवार में।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

शिक्षा:

- कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि।
- लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स से भी डॉक्टरेट की उपाधि।
- विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध किया।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

प्रमुख कार्य:

- समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक, विद्वान और विचारक थे।
- मूकनायक (1920) नामक समाचार पत्र शुरू किया, जिसका उद्देश्य स्वराज, अस्पृश्यता, और शिक्षा पर अंबेडकर के दृष्टिकोण को सामने रखना था।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

प्रमुख कार्य:

- बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1924) की स्थापना की, जो दलितों में शिक्षा और जागरूकता फैलाने का उद्देश्य था।
- कालाराम मंदिर सत्याग्रह (1930) का नेतृत्व किया, जो अछूतों के लिए मंदिर प्रवेश आंदोलन था।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

प्रमुख कार्य:

- 1932 में पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किए, जिसमें दलितों के लिए आरक्षित सीटों का प्रावधान किया गया।
- 1936 में स्वतंत्र लेबर पार्टी की स्थापना की।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

संविधान निर्माण

- 1947 में स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री बने।
- संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में भारतीय संविधान की रचना की।
- संविधान में समानता और न्याय पर जोर दिया, विशेषकर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा हेतु।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

महत्वपूर्ण आंदोलन:

- महाड़ मार्च (1927) और कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों का नेतृत्व किया।
- जाति आधारित भेदभाव और अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्ष किया।
- उन्होंने बौद्ध धर्म को अपनाया, क्योंकि उनका मानना था कि यह जातिवाद और सामाजिक भेदभाव से मुक्ति का रास्ता है।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

प्रसिद्ध पुस्तकें:

- "एनीहिलेशन ऑफ कास्ट्स"
- "पाकिस्तान और द पार्टीशन ऑफ़ इंडिया"
- "हू वेर दी शूद्राज़?"
- "द कैबिनेट मिशन एंड द अनटचेबल्स"
- "वेटिंग फॉर वीज़ा" (आत्मकथा)।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

सम्मान और पुरस्कार:

- 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

निधन:

- 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर का निधन हुआ।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

संविधान निर्माण में योगदान:

- अंबेडकर ने भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के रूप में धर्मनिरपेक्षता और समानता की नींव रखी।
- उनके योगदान से भारतीय समाज में जातिवाद और भेदभाव के खिलाफ एक मजबूत कानूनी ढांचा तैयार हुआ।

Result Mitra

महापरिनिर्वाण दिवस

डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में:

विरासत:

- उन्हें बाबासाहेब अंबेडकर के नाम से भी जाना जाता है, और वे भारत में सामाजिक न्याय के प्रतीक बने।
- उनकी विचारधारा ने समाज को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित किया।